परिवर्तन इस प्रणाली को बीते साल फाइनल परीक्षाओं में अपनाया गया था

सीए के प्रश्नपत्र में अब सभी प्रश्न अनिवार्य

● अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट की सभी परीक्षाओं में अब छात्रों के लिए सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा। प्रश्नपत्र में उन्हें किसी प्रकार का विकल्प नहीं दिया जाएगा। प्रयोग के तौर पर इस प्रणाली को बीते साल की फाइनल परीक्षा में उपयोग किया जा चुका है। फाइनल परीक्षा में सफलता के बाद अब संस्थान ने इसे सभी परीक्षाओं में अनिवार्य करने का निर्णय लिया है।

सीए की परीक्षाएं एप्लीकेशन और प्रैक्टिकल आधारित होंगे। परीक्षा प्रणाली में सुधारों के मद्देनजर यह कदम उठाया जा रहा है। छात्रों के ज्ञान को परखने के लिए प्रश्न पत्र में किसी प्रकार के विकल्प नहीं दिए जाएंगे। यह व्यवस्था कॉमन प्रोफेसियंशी टेस्ट, पीसीसी (प्रोफेशनल काम्पिटेंसी कोर्स) और फाइनल न्यू कोर्स में लागू होगी। मई-जून में होने वाली परीक्षाओं से यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। अब तक प्रश्नपत्र में दो से तीन प्रश्नों के बीच विकल्प प्रदान किए जाते रहे हैं। अब सभी प्रश्न अनिवार्य होने के कारण छात्रों पर बोझ नहीं बढ़ेगा बल्कि केस स्टडी सरीखे प्रश्न शामिल होने के कारण उनकी तार्किक क्षमता को परखा जा सकेगा।

■ छात्रों को नहीं मिलेंगे विकल्प, परीक्षा सुधारों के मद्देनजर कवायद

■ एप्लीकेशन और प्रैक्टिकल आधारित होंगे प्रश्न, मई जून में होगी परीक्षा

इसके पीछे संस्थान का मकसद परीक्षा प्रणाली के जरिए छात्रों की एप्लीकेशन स्किल को परखना है। उनका जोर परीक्षा प्रणाली को इस तरह बनाने का है जिससे परीक्षा पहले से ज्यादा व्यवहारिक हो जाए। एग्जामिनेशन सिस्टम में इस बात पर जोर रहेगा कि केस स्टडी से पढ़ाई करा कर एप्लीकेशन स्किल की टेस्टिंग की जा सके। गौरतलब है कि इस व्यवस्था के प्रयोग के तौर पर इस प्रणाली को बीते साल की फाइनल परीक्षा में उपयोग किया जा चुका है।

फाइनल परीक्षा में सफलता के बाद अब संस्थान ने इसे सभी परीक्षाओं में अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इससे परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की एप्लीकेशन स्किल को परखा जा सकेगा।